डीलरशिप के नाम पर एक करोड़ की ठगी के आरोपी को जेल भेजा

- अब खातों से खुलेगा रकम के लेनदेन का राज
- आरोपी के फरार बेटे की तलाश में जुटी क्राइम ब्रांच पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. डीलरशिप/डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने के नाम पर एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को जेल भेजने के बाद क्राइम ब्रांच ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है. टीम अब बैंक खातों से रकम के लेन देन का पता लगा रही है, वहीं मामले में फरार आरोपी के बेटे की तलाश भी की जा रही है.

भंवरकुंआ थाना क्षेत्र अंतर्गत जानकी नगर एक्सटेंशन में रहने वाले 74 वर्षीय मनोहरलाल गुप्ता को डीलरशिप/डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने के नाम पर एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में क्राइम ब्रांच ने शनिवार को गिरफ्तार किया था. वह आईएचएल मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड और इन्फुटेक हेल्थकेयर लिमिटेड में डायरेक्टर/मुख्य संचालक के तौर पर काम करता था. गिरफ्तारी के बाद उसे जेल भेज दिया था. गुजरात के झालोद, जिला दाहोद निवासी कमलेश अग्रवाल की शिकायत पर यह मामला सामने आया था.

क्राईम ब्रांच को कमलेश अग्रवाल द्वारा की गई शिकायत के अनुसार गुजरात क्षेत्र की

डीलरशिप/डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने के नाम पर उससे दो बार में 50-50 लाख रुपए लिए थे. जबकि जुलाई 2022 तक उसने डिस्ट्रीब्यूटर मार्जिन मनी के रूप में करीब 28.50 लाख रुपए दिए थे. इसके बाद न माल उपलब्ध कराया और न रकम लौटाई गई. कमलेश द्वारा रकम वापस मांगने पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया था. जांच के दौरान क्राइम ब्रांच ने बैंक स्टेटमेंट, लेजर, पत्राचार समेत अन्य दस्तावेजों की पड़ताल की. जिला अभियोजन कार्यालय से कानूनी राय लेने के बाद पुलिस ने धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज किया था.

खातों से रकम की कड़ी जोड़ रही क्राइम ब्रांच...

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार, अब पुलिस आरोपी के बैंक खातों की डिटेल खंगाल रही है. जांच में यह पता लगाया जाएगा कि शिकायतकर्ता से मिली रकम किन खातों में गई और उसका इस्तेमाल कहां हुआ. पुलिस ठगी की रकम की रिकवरी का भी प्रयास कर रही है. वहीं आरोपी के फरार बेटे की भी तलाश की जा रही है.

कठुआ पहुंची इंदौर पुलिस, अनवर कादरी के शस्त्र लाइसेंस की जांच तेज

नव भारत न्यूज

इंदौर. कांग्रेस के पूर्व पार्षद अनवर कादरी से जुड़े शस्त्र लाइसेंस मामले की जांच अब जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले तक पहुंच गई है. सदर बाजार पुलिस अनवर कादरी को लेकर कठुआ पहुंची है, जहां लाइसेंस से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जानकारी जुटाई जा रही है. अनवर कादरी पर आरोप है कि उसने जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले से शस्त्र लाइसेंस बनवाया था और बाद में उसका इस्तेमाल इंदौर में किया. मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी.

अब टीम कठुआ में संबंधित रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है. मामले में पुलिस यह भी पता लगा रही है कि लाइसेंस किस प्रक्रिया के तहत जारी हुआ था. इसके लिए जमा किए दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया और लाइसेंस जारी करने में शामिल अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है. साथ ही यह देखा जा रहा है कि लाइसेंस जारी करते समय निर्धारित नियमों का पालन हुआ था या नहीं.

जांच की जा रही है...

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार, अनवर कादरी को लेकर पुलिस टीम जम्मू कश्मीर गई है, कठुआ में शस्त्र लाइसेंस से संबंधित रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जानकारी जुटाई जा रही है. लाइसेंस किस प्रक्रिया के तहत जारी हुआ और इसमें किन लोगों की भूमिका रही, इसकी जांच की जा रही है.

मेहंदी से हाथ पर युवक का नाम लिखकर खा लिया जहर

- 18 वर्षीय युवती ने मोबाइल लॉक कर किया सुसाइड
- प्रेम प्रसंग के साथ अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. चंदन नगर थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय युवती ने जहर खा लिया. कुछ दिन पहले ही उसने मेहंदी से अपने हाथ पर एक युवक का नाम लिखा था. परिवार के सोने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ी और रविवार शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. सुसाइड का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है.

चंदन नगर थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय मृतका रानी पिता कन्हैयालाल निवासी नावदापंथ को शनिवार रात करीब एक बजे परिजन तबीयत बिगड़ने पर एमवाय अस्पताल लेकर पहुंच थे. उपचार के दौरान रविवार शाम उसकी मौत हो गई. परिजन का कहना है कि रानी 10वीं तक पढ़ी थी और इलाके की एक फैक्ट्री में काम करती थी. शनिवार को उसने परिवार के साथ खाना खाया. इसके बाद मोबाइल पर बात की और सोने चली गई.

मोबाइल की जांच के साथ ही शंकर के बारे में जानकारी जुटा रही पुलिस

पुलिस के अनुसार, रात में मां ने उसे अचानक तबीयत बिगड़ी हालत में देखा. रानी के पिता कन्हैयालाल का कहना है कि रानी ने चार-पांच दिन पहले मेहंदी से अपने हाथ पर शंकर नाम के युवक का नाम लिखा था. प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका है. रानी के मोबाइल में लॉक लगा है, पुलिस मोबाइल की जांच के साथ ही शंकर के बारे में जानकारी जुटा रही है. थाना प्रभारी तिलक करोले का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है. मोबाइल और अन्य बिंदुओं की जांच के बाद घटना के कारणों की स्थिति स्पष्ट होगी.

पुलिस देख भाग रहे तस्कर की बाइक फिसली, जेब से निकली एमडी

- सुपर कॉरिडोर पर 103.55 ग्राम ड्रग्स के साथ पकड़ाया आरोपी
- पूछताछ में बताया साथी का नाम, पुलिस ने उसे भी किया गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. सुपर कॉरिडोर पर पुलिस को देखकर बाइक से भागने की कोशिश कर रहा युवक बाइक फिसलने से गिर गया. पुलिस ने उसे पकड़ा और तलाशी ली तो उसकी पैंट की जेब से 103.55 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली. पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच ने उसके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया. जब्त ड्रग्स की कीमत करीब 10.30 लाख बताई जा रही है. क्राइम ब्रांच की टीम

रविवार को सुपर कॉरिडोर स्थित मेट्रो पिलर नंबर 210 के पास सर्विस रोड पर गश्त कर रही थी. इसी दौरान बिना नंबर की होंडा हॉरनेट पर एक युवक आता दिखाई दिया. पुलिस को देखकर वह घबरा गया और भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन बाइक फिसलने से वह गिर पड़ा. पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया. पूछताछ में उसने अपना नाम अयाज हुसैन उम्र 19 साल निवासी इंदौर बताया. तलाशी लेने पर अयाज की पैंट की बायीं जेब से पारदर्शी पन्नी मिली. इसमें भूरे रंग का दरदरा पदार्थ था. तौल और परीक्षण में यह 103.55 ग्राम एमडी ड्रग्स निकली. इसके बाद क्राइम ब्रांच ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया.

एक आरोपी मजदूर है, दूसरा बनाता है चूड़ियां

पूछताछ में अयाज की निशानदेही पर पुलिस ने 20 वर्षीय शाहनवाज निवासी इंदौर को भी गिरफ्तार किया. दोनों से ड्रग्स की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है. पुलिस यह भी पता लगा रही है कि ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था. क्राइम ब्रांच ने अयाज के कब्जे से बिना नंबर की काले रंग की होंडा हॉरनेट 125 सीसी बाइक भी जब्त की है. अयाज आठवीं तक पढ़ा है और मजदूरी करता है, जबकि शाहनवाज चूड़ियां बनाने का काम करता है.

तस्करी के नेटवर्क की जानकारी जुटा रही पुलिस- डीसीपी क्राइम राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ड्रग्स तस्करी मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों से पूछताछ कर ड्रग्स की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है. एक आरोपी अयाज के खिलाफ चंदन नगर थाने में वर्ष 2023 में आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज है. मामले में आगे की जांच जारी है.

एक नजर में

108 स्थानों पर एक साथ गूंजेगा श्री हनुमान चालीसा महापाठ

महू. रामादल द्वारा संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास महाराज की पावन जयंती के अवसर पर 108 स्थानों पर एक साथ, एक समय श्री हनुमान चालीसा महापाठ का आयोजन किया जाएगा. इस महा आयोजन को लेकर व्यापक रूप से तैयारियां की जा रही हैं. श्री हनुमान चालीसा महापाठ के संकल्प को व्यापक जनसमर्थन मिलने के चलते यह आयोजन 130 स्थानों तक पहुंचने की संभावना है. आयोजन की तैयारियों एवं कार्ययोजना को लेकर महेश्वरी विद्यालय, डॉ. अंबेडकर नगर में रामादल द्वारा वृहद बैठक आयोजित की गई. बैठक में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की. यह जानकारी रामादल के संस्थापक एवं अध्यक्ष लोकेश शर्मा 'पंडित जी' ने दी. उन्होंने बताया कि निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक स्थानों पर आयोजन होना इस बात का प्रमाण है कि धर्म एवं संस्कृति के प्रति समाज में अपार उत्साह है. श्री हनुमान चालीसा महापाठ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सामाजिक एकता और धर्म जागरण का विराट अभियान है. इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यजनों एवं कार्यकर्ताओं ने भारत को पुनः अखंड, बनाने का संकल्प भी लिया. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता देवी प्रसाद शर्मा, कर्नल अनुराग शुक्ला, रामादल नगर प्रमुख राजीव खंडेलवाल, रामादल उपाध्यक्ष अशोक कपड़े, एनसीसी अधिकारी आशीष दुबे, सेवानिवृत्त प्राचार्य सीपी निगम, वरिष्ठ समाजसेवी राजेश अग्रवाल, एडवांस इंटरनेशनल विद्यालय के संस्थापक यशवंत सिंह बिष्ट, सन्नी भारत बिलरवान मंचासीन रहे. संचालन पं. विकास विजय शर्मा ने किया तथा आभार वरिष्ठ समाजसेवी राजीव खंडेलवाल ने माना.

मो. रफी, मुकेश एवं किशोर कुमार को गीतों के जरिये किया याद

महू. दीपक जाजू (स्मृति) मित्र मंडल के तत्वावधान में हिंदी फिल्म संगीत की गायक त्रिमूर्ति मो. रफी, मुकेश एवं किशोर कुमार को उनके 50 से अधिक गीतों से याद किया गया. मित्र मंडल के मीडिया प्रभारी विजय परदेशी ने बताया कि कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें सुरेश मोरे, अरुण जोशी, अजयसिंह-वर्षा सिंह, कन्हैया सिंह चौहान, राजेश भूत, रमेश जैसवार, महेन्द्र चतुर्वेदी, सुरेश वैद्य, संजय यादव, कमलेश यादव, जितेंद्र मोरे-निधि मोरे, निर्मला यादव-शकुंतला विजयवर्गीय-नीता तिवारी, मीना ठाकुर,पायल परदेशी, वीरेंद्र कोंगे-सुनीता कोंगे, सुनील कौशल-शिखा, सुनीता लाहोरे, बीके पाल, राजीव परदेशी, विजय पाटीदार, बालाकृष्णन, मो. सलीम, विजय शर्मा, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, उमा शर्मा ने मधुर गीतों से सुरीली महफिल को यादगार बना दिया. इसके अलावा डॉ. पीएस दुबे, डॉ. लक्ष्मी दुबे, अभिलाषा, अरुण हीरे, सुमन हीरे, मुश्ताक खान आदि ने भी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी. दीप प्रज्वलन बसंत अग्रवाल, राजकिशोर गर्ग, भारत सिंह ठाकुर, मनीष जायसवाल, राजेश पाटीदार, रामकिशोर शुक्ल ने किया. कार्यक्रम में रितेश्वरी जामनिया, नरोत्तम माहेश्वरी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे. मित्र मंडल के संरक्षक राधेश्याम यादव ने दीपक भैया और तीनों महान गायकों को याद किया. प्रथम सत्र का संचालन राजीव परदेशी व बालकृष्णन ने तथा द्वितीय सत्र का सुनील कौशल व शिखा कश्यप ने किया. टेक्नीशियन हेमंत कौशल थे. साउंड अमन वर्मा ने दिया. आभार जेबी सिंह व अरुण माहेश्वरी ने माना.

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद : बच्चों को सुरक्षा का पाठ पढ़ाएगी पुलिस

- कानून के साथ साइबर अपराध और नशे से बचाव को लेकर किया जाएगा जागरूक
- चयनित स्कूलों में विद्यार्थियों से सीधे संवाद करेंगे पुलिस अधिकारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. बच्चों को कानून की जानकारी देने के साथ उन्हें साइबर अपराध, नशे और सड़क हादसों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए इंदौर पुलिस ने सोमवार से जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद शुरू किया. इसके तहत शहर के चयनित स्कूलों में पुलिस अधिकारी विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उन्हें अधिकार, कर्तव्य और सुरक्षा से जुड़े जरूरी विषयों की जानकारी देंगे.

पुलिस मुख्यालय और स्कूल शिक्षा

विभाग के समन्वय तथा यूएनएफपीए के तकनीकी सहयोग से प्रदेश में संचालित सृजन संवाद योजना के तहत इंदौर में भी यह पहल शुरू की गई है. पहले चरण में चार स्कूलों में जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं. इनमें विद्यार्थियों को कानून के साथ सुरक्षित डिजिटल व्यवहार और सोशल मीडिया के इस्तेमाल के बारे में समझाया. कार्यशालाओं में पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि किसी अपराध, परेशानी या असुरक्षित स्थिति का सामना होने पर घबराने के बजाय पुलिस या संबंधित विभाग को सूचना दें. उन्हें यह भी समझाया कि अधिकारों की जानकारी के साथ नागरिक कर्तव्यों को समझना भी जरूरी है.

चयनित स्कूलों में हर शनिवार होगी कार्यशाला

चयनित स्कूलों में अब प्रत्येक शनिवार जागरूकता कार्यशालाएं होंगी. विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून व्यवस्था से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी देने के लिए पुलिस थानों और कार्यालयों का भ्रमण भी कराया जाएगा. कार्यक्रम में मौलिक अधिकार और कर्तव्य, किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो कानून, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव, यातायात नियम और रोड सेफ्टी जैसे विषय शामिल किए हैं. पुलिस अधिकारियों का विद्यार्थियों से सीधा संवाद इस कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा रहेगा. उद्देश्य यह है कि बच्चे कानून और सुरक्षा से जुड़े विषयों को केवल किताबी जानकारी के रूप में न समझें, बल्कि जरूरत पड़ने पर उसका सही इस्तेमाल कर सकें.

खेत में जुआ खेलते तीन धराए, 3525 रु. नकद जब्त

इंदौर. हातोद थाना क्षेत्र के पालिया में खेत पर ताश के पत्तों पर रुपए का दांव लगाकर जुआ खेल रहे तीन लोगों को पुलिस ने पकड़ा है. घटना स्थल से पुलिस ने जुआ खेलने की सामग्री व 3525 रुपए नकदी जब्त किए हैं. उक्त कार्रवाई पालिया में मुकेश चौहान के खेत पर की गई. यहां मुकेश चौहान, शोभाराम पटेल और धीरज मालवीय जुआ खेलते मिले.

गैस की टंकी चुराई-इंदौर. कनाड़िया थाना क्षेत्र की पहाड़ी टेकरी में रहने वाले अजय परमार ने पुलिस को शिकायत कर बताया कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनके घर से गैस की टंकी चोरी कर ले गया. टंकी नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की.

ताला तोड़कर घर में घुसे चोर, जेवर और 40 हजार नकद ले उड़े

इंदौर. कनाड़िया थाना क्षेत्र के गोकुल नगर में बदमाश मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात व करीब 40 हजार रुपए नकद चुरा ले गए.

मुकेश कुमार महाजन ने पुलिस को की शिकायत में बताया कि बदमाशों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर इस वारदात को अंजाम दिया. अलमारी से पुखराज लगी सोने की अंगूठी, एक जोड़ी सोने की झुमकी, एक जोड़ी चांदी की पायजेब और करीब 40 हजार रुपए गायब मिले. पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है.

दुकान बेचने का सौदा कर 19.80 लाख ऐंठे, फरार महिला गिरफ्तार

- एग्रीमेंट के बाद रकम ले ली, पर न रजिस्ट्री कराई, न पैसे लौटाए
- महिला पर बेटे के साथ मिलकर धोखाधड़ी का आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. ट्रांसपोर्ट नगर में दुकान बेचने का सौदा कर 19.80 लाख रुपए लेने के बाद रजिस्ट्री नहीं कराने वाली महिला को भंवरकुआं पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. आरोपी कई महीनों से फरार थी, पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा. मामले में उसके बेटे की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

थाना प्रभारी संतोष दूधी ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर निवासी मोहम्मद हुसैन ने शिकायत की थी कि मैकेनिक नगर निवासी यास्मीन बी पति आरिफ बेग और उसके बेटे सुल्तान बेग ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दुकान नंबर 10 बेचने का उससे सौदा किया था. इसके लिए एग्रीमेंट कराया और अलग-अलग किस्तों में शिकायतकर्ता से 19 लाख 80 हजार रुपए ले लिए. रकम लेने के बाद आरोपियों ने दुकान की रजिस्ट्री नहीं कराई और रुपए भी नहीं लौटाए. इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत की. शिकायत के बाद पुलिस आरोपी महिला की तलाश कर रही थी. अब उसे गिरफ्तार कर लिया है, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है.

नाबालिग को 3 लाख में बेचने की जांच अब एसआईटी करेगी

इंदौर. बाणगंगा क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग के अपहरण के बाद तीन लाख रुपए में सौदा किए जाने के मामले में पुलिस ने जांच के लिए पांच सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया है. मामले में फरार पांच आरोपियों की तलाश के साथ उनकी गिरफ्तारी के लिए दो दिन पहले 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है. एसआईटी की प्रभारी एसीपी हीरानगर रुबीना मिजबानी को बनाया है. टीम में एक उपनिरीक्षक, तीन सिपाही और एक साइबर एक्सपर्ट शामिल किए हैं. डीसीपी अभिषेक रंजन का कहना है कि मानव तस्करी से जुड़े इस मामले की जांच में तेजी लाने के लिए एसआईटी गठित की गई है. फरार पांच आरोपियों की तलाश की जा रही है.

निर्माणाधीन बिल्डिंग की दूसरी मंजिल से गिरा चौकीदार, मौत

तीन महीने पहले ही चौकीदारी के लिए आया था

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजेंद्र नगर क्षेत्र के बिजलपुर में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की दूसरी मंजिल से गिरने से 40 वर्षीय चौकीदार की मौत हो गई. हादसे के बाद उसे गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया.

पुलिस के मुताबिक, जैस्मिन प्राइम कॉलोनी में तीन मंजिला बिल्डिंग का निर्माण चल रहा है. रविवार शाम 40 वर्षीय चौकीदार रामभरोसे पिता त्रिलोकनाथ, निवासी हसनजी नगर, दूसरी मंजिल के डक से पहली मंजिल पर गिर गया था, गंभीर चोट लगने पर उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां रात में उसकी मौत हो गई. थाना प्रभारी यशवंत बड़ोले ने बताया कि रामभरोसे मूल रूप से सतवास (देवास जिला) का रहने वाला था. वह करीब तीन महीने पहले ही यहां चौकीदारी के लिए आया था. उसके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है, बेटी की शादी हो चुकी है. पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में एक तरफ प्रशासन जन विश्वास अभियान के तहत सीधे शिकायतों का समाधान कर रहा, वहीं कई बुजुर्ग पेंशन पाने के लिए कर रहे जद्दोजहद

वृद्धावस्था पेंशन से वंचित कई पात्र हितग्राही दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर

इंदौर. सरकार गरीब और बुजुर्गों को आर्थिक सहारा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही से यही सहारा कई जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा. जबकि प्रशासन हाल ही में जन विश्वास अभियान जैसे शिविर चला रहा है, जिसके माध्यम से अधिकारी सीधे शिकायतों का समाधान कर रहे हैं. लेकिन मल्टी स्कीम नंबर 140 क्षेत्र के निवासी कई बुजुर्ग पेंशन के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं.

वृद्धावस्था पेंशन गरीब और जरूरतमंद बुजुर्गों के लिए महज सरकारी योजना नहीं, बल्कि रोजमर्रा के खर्च का बड़ा सहारा

है. बॉम्बे योजना मल्टी स्कीम नंबर 140 क्षेत्र में कई बुजुर्ग ऐसे हैं, जिन्हें लंबे समय से पेंशन नहीं मिली या अचानक बंद हो गई. खास बात यह है कि कई हितग्राही बैंक में कई बार केवाईसी तक करा चुके हैं, फिर भी समस्या जस की तस है. बुजुर्गों का कहना है कि पेंशन शुरू कराने या बंद भुगतान की जानकारी लेने के लिए वे बैंक और झोन कार्यालय के चक्कर लगा-लगाकर थक चुके हैं. हर बार आश्वासन मिला, लेकिन खाते में राशि नहीं पहुंची. इनमें ऐसे बुजुर्ग दंपति भी हैं, जो लकवे या अन्य किसी गंभीर बीमारी के कारण दूसरों पर निर्भर हैं. कुछ अति वृद्धावस्था में अकेले जीवन गुजार रहे हैं और उनके पास आय का कोई दूसरा साधन नहीं है.

यह बोले हितग्राही...

मैं लकवा जैसी गंभीर बीमारी के चलते बिस्तर पर हूं. आर्थिक रूप से और बीमारी से परेशान हूं. जो पेंशन मिलती थी, वह बंद हो चुकी है. केवाईसी कराने के बाद आश्वासन मिला, लेकिन पेंशन नहीं मिली.

- कालू पंचोले

बच्चे अलग रहते हैं, हम दोनों पति-पत्नी घर में अकेले हैं. पेंशन राशि से हमें कुछ सहारा मिल जाता था, जो बंद हो गया. बैंक कर्मचारी कहते हैं, आगे से पेंशन बंद की गई हैं. नगर निगम झोन और बैंक के कई चक्कर लगाए, लेकिन पेंशन शुरू नहीं हुई.

- भागवनती बाई गांगले

वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ लेने के लिए दो वर्ष पहले फॉर्म भरा था, उसके बाद कई बार बैंक और झोन के चक्कर लगा चुकी, लेकिन आज तक सरकार ने पेंशन चालू नहीं की. अब तो उम्मीद ही छोड़ दी.

- चंदन बाई डानल

सवाल यह है कि जब योजना जरूरतमंदों के लिए है तो ऐसे पात्र हितग्राही दफ्तरों के चक्कर क्यों काट रहे हैं? चुनाव के समय किए वादों के बावजूद जनप्रतिनिधि इनकी सुध लेने कब पहुंचेंगे?